विशेषण

संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहा जाता है। नाम की विशेषता बताई जाए उसे विशेषण कहते हैं। जैसे-- शीला अच्छी लड़की है।
यहाँ अच्छी शब्द विशेषण है क्यों कि वह लड़की की विशेषता बता रहा है।
विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते है उन्हे विशेष्य कहते है।

विशेषण के भेद

1] गुण वाचक
2] संख्या वाचक
3] परिमाण वाचक
4] सार्वनामिक विशेषण
5] व्यक्तिवाचक विशेषण

1] गुण वाचक**--** जिन शब्दों से संज्ञा व सर्वनाम के गुण, दोष पता चलते हैं उन्हें गुण वाचक विशेषण कहते हैं । जैसे—अच्छा, बुरा, मोटा, पतला, ईमानदार, दयालु, सुन्दर, स्वदेशी विदेशी कम भारी, युवा, बूढ़ा, किशोर, मीठा, कड़वा, खट्टा, सुगन्धित, ऊँचा, नीचा, लम्बा, चौड़ा, तिकोना, लोभी, शराबी, बुरा, नीच, अपराधी, काला, पीला, नीला, सफेद, हरा, लाल आदि।
2] संख्या वाचक**--** जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध होता है। जैसे-- सात, पहला दस मीटर आदि। संख्यावाचक विशेषण के दो प्रकार है--
-- निश्चित संख्या वाचक**--** निश्चित संख्या का बोध कराने वाले शब्द निश्चित संख्या वाचक विशेषण होते हैं। जैसे -- अष्ट, एक, पहला, तीसरा पंच, चौगुना, इकहरा दोहरा, तीनों, पाँचों, दोनों, हर एक आदि ।
-- अनिश्चित संख्या वाचक**--** निश्चित संख्या का बोध नहीं होता। अनिश्चित संख्या वाचक शब्द इस प्रकार है-- भरपूर कुछ, थोड़े, जरा ज्यादा आदि
3] परिमाण वाचक**--** जिन शब्दों से नाप तोल का बोध हो। जैसे-पाँच किलो दूध, दो मीटर, कपा दस किलो आटा, थोड़ा दूध, कुछ पानी, थोड़ा शहद, बहुत जल आदि ।
4] सार्वनामिक विशेषण**--** जिन सर्वनामों का प्रयोग किसी संज्ञा के साथ उसके विशेषण की तरह होता है। जैसे यह, वह। यह, वह सर्वनाम है लेकिन इनके बाद संज्ञा आए तो विशेषण है।
जैसे -- वह आया [सर्वनाम]
वह लड़का आया [विशेषण]
यह बच्ची सुन्दर है।
वह व्यक्ति कहाँ है ?
5] व्यक्तिवाचक सर्वनाम **:--** ये विशेषण व्यक्ति वाचक संज्ञाओं से बनाते है।

जैसे -- संज्ञा	विशेषण
अमेरिका	अमरीकी नीति
बनारस	बनारसी साड़ी
पैठन	पैठनी

विशेषणों में रूपांतर / विकार

विशेषणों में रूपातरं निम्न कारणों से होता है---
1] लिंग के अनुसार
2] वचन के अनुसार
-

हिन्दी में आकारांत विशेषणों को छोड दूसरे विशेषणों में कोई रूपांतर नहीं होता है इसलिए हम कह सकते है कि विशेषण में प्रत्यक्ष रूप से लिंग वचन और कारक होते है।
गुणवाचक विशेषणों में केवल आकारांत विशेषण, विशेष्य के लिंग वचन और कारक के अनुसार बदलते हैं।
आकारात विकार होने के नियम इस प्रकार है--
सर्वनाम बहुवचन में हो तो 'अ' के स्थान पर 'ए' होता है।

1] लिंग के अनुसार परिवर्तन **:--**

स्त्रिलिंग विशेष्य के स्थान विशेषण के अंत 'आ' स्थान में 'ई' होता है ।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बड़ा लड़का	बड़ी लड़की
छोटा लडका	छोटी लड़की

आकारांत गुणवाचक विशेषणों को छोड़ शेष हिंदी गुणवाचक विशेषणों में कोई विकार नहीं होता |
सुंदर लड़की , लाल टोपी, भरी बोझ, भारी बोझ

यौगिक सार्वनामिक विशेषण आकारांत होते हैं, जैसे- ऐसा, वैसा, इतना, उतना इत्यादि । ये आकारात विशेषण विशेष्य के लिंग वचन कारक के अनुसार के गुणवाचक आकारांत विशेषणों के समान बदलते है।
जैसे -- ऐसा लड़का
ऐसी लड़की
ऐसे लड़के
ऐसी लड़कियाँ
संख्यावाचक विशेषणों में क्रमवाचक आकारांत परिमाण वाचक विशेषणों का रूपांतर होता है--
जैसे -- पहला लड़का
पहली लड़की
पहले लड़के
पहली लड़कियां

2] वचन के अनुसार परिवर्तन **:--**वचन के अनुसार विशेषणों में निम्ना नुसार परिवर्तन होता है ...

एकवचन	बहुवचन
छोटा लड़का	छोटे लड़के
ऊंचा घर	ऊंचे घर
बड़ा लड़का	बड़े लड़के

By Dr. Sangita Chitrakoti